श्री बांके बिहारी जी की आरती – पूरी लिरिक्स

नीचे प्रस्तुत है **श्री बांके बिहारी जी की आरती**, जिसे पढ़कर और गाकर आप भगवान की कृपा पा सकते हैं।

आरती का प्रारंभिक स्तोत्र

श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं,
हे गिरिधर तेरी आरती गाऊं।
आरती गाऊं प्यारे आपको रिझाऊं,
श्याम सुन्दर तेरी आरती गाऊं।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

मस्तक और मुकुट स्तोत्र

मोर मुकुट प्यारे शीश पे सोहे,
प्यारी बंसी मेरो मन मोहे।
देख छवि बलिहारी मैं जाऊं।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

चरणों का स्तोत्र

चरणों से निकली गंगा प्यारी,
जिसने सारी दुनिया तारी।
मैं उन चरणों के दर्शन पाऊं।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

भक्त स्तोत्र

दास अनाथ के नाथ आप हो,
दुःख सुख जीवन प्यारे साथ आप हो।
हरी चरणों में शीश झुकाऊं।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

हरीदास स्तोत्र

श्री हरीदास के प्यारे तुम हो।
मेरे मोहन जीवन धन हो।
देख युगल छवि बलि बलि जाऊं।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

आरती का समापन

श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं,
हे गिरिधर तेरी आरती गाऊं।
आरती गाऊं प्यारे आपको रिझाऊं,
श्याम सुन्दर तेरी आरती गाऊं।